(c) what will be the expected saving of foreign exchange as a result of the steps mentioned above?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) It is possible to blend power alcohol to a limited extent with motor spirit (Petrol).

(b) The entire question with regard to the availability of alcohol and its consumption by the chemicals industry, the possbility of producing 100 per cent pure alcohol for such commercial use, the technical and logistic problems involved in blending it with petrol etc. is proposed to be entrusted to a Committee which is being set up soon. Utilization of power alcohol as fuel in admxiture with petrol can be considered after the findings of the Committee are available.

(c) It is not possible at this stage to assess the saving of foreign exchange by use of power alcohol in petrol engines.

इस्पात का उत्पादन

2085. श्री सुरेन्द्र सिंह : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) देश में इस समय इस्पात का वार्षिक उत्पादन कितना है ;

(ख) क्या सरकार ने बड़े पैमाने पर इस्पात का उत्पादन बढ़ाने हेतु उत्पादन-क्षमता में वृद्धि करने का निर्णय किया है ;

(ग) यदि हां, तो उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिये किये जाने वाले उपायों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या नये इस्पात संयंत्र स्थापित करने का भी कोई निर्णय किया गया है ; और यदि हां, तो संयंत्र कहां-कहां स्थापित किये जायेंगे ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कड़िया मुण्डा) : वर्ष 1978–79 में सर्वतोमुखी इस्पात कारखानों में 82.5 लाख टन साधारण इस्पात पिण्ड तथा 66.84 लाख टन विक्रेय इस्पात के उत्पादन का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा वर्ष 1978–79 में विद्युत चाप भट्टियों (लघु इस्पात संयंत्रों) में लगभग 16 लाख टन विक्रेय इस्पात का उत्पादन होने का अनुमान है।

(ख) और (ग). वर्ष 1978–83 की योजना के दस्तावेज के मसौदे में वर्ष 1982–83 तक 118 लाख टन विक्रेय साधारण इस्पात के उत्पादन की परिकल्पना की गई है। इस योजना में मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) भिलाई और बोकारो प्रत्येक इस्पात कारखाने का 40 लाख टन पिण्ड क्षमता तक के वर्तमान विस्तार कार्यक्रमों को पूरा करना।

(2) बोकारो इस्पात कारखाने की क्षमता को आगे और बढ़ाकर 47.5 लाख टन पिण्ड करना।

(3) बिजली उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राउरकेला में एक कारखाना लगाना। इसमें प्रतिवर्ष 37,500 टन कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएन्टेड विद्युत इस्पात की चादरों और 36,000 टन कोल्ड रोल्ड नान-ग्रेन ओरिएन्टेड इस्पात की चादरों का उत्पादन होगा।

(4) प्रौद्योगिकी में सुधार करने तथा पुरानी प्रक्रियाओं/उपस्करों आदि में संशोधन और फेर-बदल करके प्रौद्योगिकी को अद्यतन करने के उपाय करना।

(5) बिजली की कमी और प्राय. रुकावटों/घट-बढ़ की वर्तमान कठिनाइयों को कम करने के लिए अन्तसंयंत्र विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना।

(6) इस्पात की अतिरिक्त क्षमता के लिए आधार तैयार करना जिसका उपयोग आने वाली योजना अवधि में किया जा सके।

(घ) विभिन्न स्थलों पर इस्पात कारखाने लगाने की संभावनाओं पर सरकार विचार कर रही है लेकिन अन्तिम रूप से निर्णय अभी लिए जाने है।

बिहार को विद्युत् सबंधी मांग और सप्लाई

2086. श्री हुक्म देव नारायण यादव : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बिहार को विद्युत सबंधी मांग क्या है और उसे कितनी मात्रा में बिजली सप्लाई की जा रही है तथा कमी को पूरा करने के लिए किस प्रकार की केन्द्रीय सहायता दिए जाने का प्रस्ताव है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : बिहार में 300 से 400 मेगावाट के बीच बिजली का उत्पादन होता है जो मशीनों की उपलब्धता पर निर्भर है। तथापि, व्यस्ततमकालीन मांग लगभग 500 मेगावाट है।